विजयनगर साम्राज्य, जिसे विजयनगर साम्राज्य के नाम से भी जाना जाता है, एक शक्तिशाली और समृद्ध हिंदू साम्राज्य था जिसने 14वीं से 17वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत पर शासन किया था। यह अपनी सांस्कृतिक उपलब्धियों, वास्तुशिल्प चमत्कारों और दक्षिणी भारत के इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध है। विजयनगर साम्राज्य के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. नींव**:**

- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम द्वारा की गई थी। वे भाई थे और अपना साम्राज्य स्थापित करने से पहले काकतीय साम्राज्य में सेनापति के रूप में कार्यरत थे।

2. पूंजी**:**

- विजयनगर साम्राज्य की राजधानी प्रारंभ में वर्तमान कर्नाटक में हम्पी (जिसे विजयनगर भी कहा जाता है) में स्थित थी। हम्पी शहर अपनी भव्यता और स्थापत्य वैभव के लिए प्रसिद्ध है।

3. धर्म**:**

- विजयनगर के शासक हिंदू धर्म के कट्टर संरक्षक थे, और साम्राज्य हिंदू संस्कृति और परंपराओं का गढ़ था।
- उन्होंने अनेक मंदिरों के निर्माण का समर्थन किया और विभिन्न देवताओं की पूजा को बढ़ावा दिया।

4. कृष्णदेवराय**:**

- विजयनगर साम्राज्य के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक कृष्णदेवराय (शासनकाल 1509 से 1529 तक) थे। उन्हें अक्सर भारतीय इतिहास के सबसे महान राजाओं में से एक माना जाता है।
- उनके शासनकाल को सांस्कृतिक उत्कर्ष द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसमें साहित्य, कला और संगीत में योगदान शामिल था।

5. वास्तुकला**:**

- विजयनगर साम्राज्य अपनी शानदार वास्तुकला कृतियों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर, किले, महल और अन्य संरचनाएँ द्रविड़ और इस्लामी स्थापत्य शैली का एक अनूठा मिश्रण प्रदर्शित करती हैं।
- हम्पी में विरुपाक्ष मंदिर और विट्ठल मंदिर विजयनगर वास्तुकला के प्रतिष्ठित उदाहरण हैं।

6. प्रशासन**:**

- साम्राज्य में मंत्रियों, कमांडरों और राजस्व अधिकारियों सहित विभिन्न अधिकारियों के साथ एक अच्छी तरह से संरचित प्रशासनिक प्रणाली थी।
- राज्य को प्रांतों और जिलों में विभाजित किया गया था, प्रत्येक का नेतृत्व नियुक्त राज्यपालों द्वारा किया जाता था।

7. व्यापार और वाणिज्य**:**

- विजयनगर साम्राज्य का एक समृद्ध व्यापार नेटवर्क था, जिसका संबंध भारत के अन्य हिस्सों, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से था।
- साम्राज्य को प्रमुख व्यापार मार्गों पर अपनी रणनीतिक स्थिति से लाभ हुआ।

8. अस्वीकार**:**

- साम्राज्य को बाहरी खतरों का सामना करना पड़ा, विशेषकर दक्कन सल्तनत और बहमनी सल्तनत से, जिसके कारण संघर्ष और लड़ाइयाँ हुईं।
- 1565 में तालीकोटा की लड़ाई, जहां डेक्कन सल्तनत के गठबंधन ने विजयनगर सेना को हराया, इसके पतन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

9. विरासत**:**

- अपने पतन के बावजूद, विजयनगर साम्राज्य ने दक्षिण भारत की संस्कृति, कला और वास्तुकला पर गहरा प्रभाव छोड़ा।
- इसकी विरासत को क्षेत्र में हिंदू परंपराओं, मंदिर वास्तुकला और शास्त्रीय कलाओं की निरंतरता में देखा जा सकता है।

10. यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल**:**

- हम्पी के खंडहरों सहित विजयनगर साम्राज्य से जुड़े कई ऐतिहासिक स्थलों को उनके ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व को संरक्षित करते हुए यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के रूप में नामित किया गया है।

विजयनगर साम्राज्य दक्षिण भारत में हिंदू संस्कृति और कला का एक प्रतीक था, और इसकी विरासत को भारत की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के अभिन्न अंग के रूप में मनाया जाता है।